

9/9/21

पगावली पेश हूँ। साल 5000 बजे  
तक बोट-बोट भाषाज दिनाथी गरी।  
प्राची आनामतन व वठालतन अरु  
है अता प्राची का उठ पग अदम  
हाजरी अदम पेशी म स्वारीज चिन्त  
जाता है पगावली केतन सुमाट  
होकर दन बापट ले क हौ।  
तजा दारिदर दपट हौ।

